आयरन ओर ब्लॉक नीलामी में राजस्थान ने रचा नया इतिहास

चर्चा में क्यों?

31 जुलाई, 2022 को अतिरिक्त मुख्य सचिव (माइंस एवं पेट्रोलियम) डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि जयपुर के बागावास ब्लॉक की आयरन ओर माइनिंग ब्लॉक की ई-नीलामी रिज़र्व प्राईस से 452 प्रतिशत अधिक राशि पर हुई है, जो पूरे देश के माइनिंग ब्लॉक नीलामी के इतिहास में सर्वाधिक है।

प्रमुख बिंदु

- डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि खनिज नीलामी नियम 2015 के प्रभाव में आने के बाद समूचे देश में अब तक की यह सबसे अधिक प्रीमियम राशि पर नीलामी है। इससे पहले मध्य प्रदेश में खनिज रॉक फॉस्फेट के ब्लॉक की नीलामी में सर्वाधिक 320 प्रतिशत बोली प्राप्त हुई थी।
- डॉ. अग्रवाल ने बताया कि विभाग द्वारा जयपुर ज़िले के विराटनगर के पास बागावास में 5.9266 हेक्टेयर आयरन ओर ब्लॉक के आवंटन के लिये अंतिम नीलामी प्रक्रिया में उच्चतम बोली भटिंडा के शुभ लोहिया प्रो. भारत कोल ट्रेडर्स भटिंडा, पंजाब ने 452 प्रतिशत लगाई।
- उन्होंने बताया कि बागावास की आयरन ओर की इस माइनिंग ब्लॉक की नीलामी से राज्य सरकार को आगामी 50 सालों में रॉयल्टी, प्रीमियम, डीएमएफटी, एनएमईटी आदि को मिलाकर 119.65 करोड़ रुपए का राजस्व मिलने की संभावना है।
- अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि राजस्थान में आयरन ओर के विपुल भंडार होने के साथ ही विभाग द्वारा नई खोज व नीलामी के लिये ब्लॉक तैयार करने का कार्य जारी है।
- जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, करौली, भीलवाड़ा और अलवर में खनिज आयरन ओर के विपुल भंडार उपलब्ध हैं। प्रदेश में वर्तमान में जयपुर में 4, सीकर में 3, झुंझुनूं में 6, भीलवाड़ा में 2 और अलवर में 1 सहित आयरन ओर के कुल 16 खनन पट्टे कार्यशील हैं और एक अनुमान के अनुसार इनसे 50 करोड़ रुपए से अधिक का सालाना राजस्व प्राप्त हो रहा है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-creates-new-history-in-iron-ore-block-auction